KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 01

विषय : हिंदी | पाठ : संज्ञा

कक्षा : 3

आयु वर्ग : 7-8 वर्ष

पूर्व ज्ञान : बच्चे नाम पहचानते हैं, पर "संज्ञा" शब्द से परिचित नहीं हैं।

2. सीखने के उद्देश्य

पाठ के अंत तक विद्यार्थी -

1. संज्ञा का अर्थ समझ सकेंगे।
2. व्यक्ति, स्थान, वस्तु और जीव के नाम पहचान सकेंगे।
3. वाक्य में संज्ञा शब्द ढूँढ़ सकेंगे।
4. स्वयं संज्ञा शब्दों का प्रयोग कर सकेंगे।

3. शिक्षण-सामग्री (TLM)

1. चित्र चार्ट
2. कक्षा की वस्तुएँ (किताब, कलम, बैग)
3. ब्लैकबोर्ड, चॉक

4. प्रस्तावना - 5 मिनट

* **प्रस्तावना प्रश्न (Prastavana Prashn)**

शिक्षक बच्चों से सरल प्रश्न पूछेगा -

1. तुम्हारा नाम क्या है?
2. तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?
3. तुम रोज़ कहाँ पढ़ने आते हो?
4. तुम्हारे बैग में क्या-क्या है?
5. तुम्हें कौन-सा जानवर अच्छा लगता है?

बच्चों के उत्तर - राम, कक्षा, विद्यालय, किताब, कुत्ता

फिर शिक्षक पूछेगा -

- ये सभी क्या बताते हैं? (नाम)
- क्या ये किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या जीव के नाम हैं?

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

5. प्रस्तुतीकरण

(क) संज्ञा की परिभाषा

जिस शब्द से किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या जीव का नाम पता चले, उसे संज्ञा कहते हैं।

(ख) संज्ञा के प्रकार

① व्यक्ति के नाम

राम, मोहन, माँ, शिक्षक

② स्थान के नाम

घर, विद्यालय, बाजार

③ वस्तु के नाम

किताब, कलम, कुर्सी

④ जीव के नाम

गाय, कुत्ता, बिल्ली

➡ प्रत्येक के उदाहरण चित्रों के साथ समझाए जाएँगे।

6. शिक्षण विधियाँ

1. प्रश्न – उत्तर विधि
2. चित्र आधारित शिक्षण
3. गतिविधि आधारित शिक्षण
4. सहभागिता विधि

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 705 7037

7. अभ्यास एवं गतिविधियाँ (10 मिनट)

गतिविधि 1 : पहचानो

शिक्षक वस्तु दिखाए –

- यह क्या हैं ?
- क्या यह संज्ञा हैं ?

गतिविधि 2 : रेखांकित करो

1. राम स्कूल जाता हैं।
2. गाय घास खाती हैं।
3. किताब मेज पर हैं।

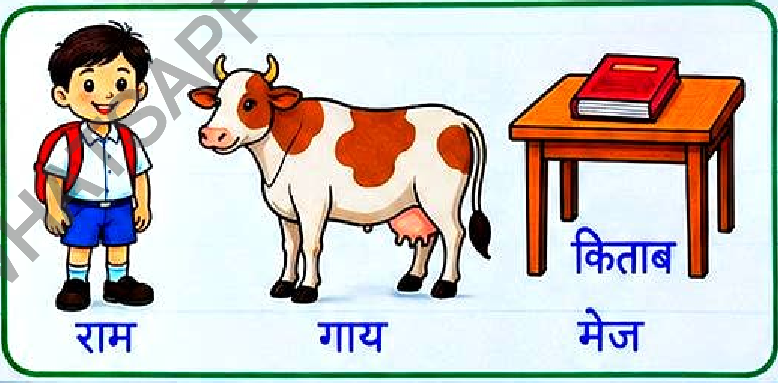

गतिविधि 3 : बोलो

- अपने दोस्त का नाम बताओ।
- अपने घर की एक वस्तु बताओ।

8. मूल्यांकन (Assessment – 5 मिनट)

1. संज्ञा किसे कहते हैं ?
2. 'विद्यालय' कौन-सी संज्ञा हैं ?
3. एक जीव का नाम बताओ।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

9. पुनरावृत्ति

1. आज हमने क्या पढ़ा ?
2. संज्ञा के चार प्रकार कौन-कौन से हैं ?

10. गृहकार्य

1. पाँच संज्ञा शब्द लिखो।
2. व्यक्ति, स्थान, वस्तु और जीव – प्रत्येक के दो-दो उदाहरण लिखो।

11. अपेक्षित अधिगम परिणाम

1. विद्यार्थी संज्ञा को समझ और पहचान सकेंगे।
2. सरल वाक्यों में संज्ञा का सही प्रयोग करेंगे।

पाठ योजना 02

विषय : हिंदी | **पाठ :** विलोम शब्द

समय : ....

1. कक्षा का सामान्य विवरण

कक्षा : 3

आयु वर्ग : 7-8 वर्ष

पूर्व ज्ञान : बच्चे रोज़मर्रा की भाषा में उल्टे अर्थ वाले शब्द बोलते हैं (जैसे दिन-रात), पर उन्हें "विलोम शब्द" का नाम नहीं पता।

2. सीखने के उद्देश्य (Learning Objectives)

पाठ के अंत तक विद्यार्थी –

1. विलोम शब्द का अर्थ समझ सकेंगे।
2. सामान्य विलोम शब्द पहचान सकेंगे।
3. सही जोड़ी बनाकर विलोम लिख सकेंगे।
4. वाक्यों में विलोम शब्दों का प्रयोग कर सकेंगे।

3. शिक्षण-सामग्री (TLM)

- चित्र चार्ट (बड़ा-छोटा, दिन-रात आदि)
- ब्लैकबोर्ड, चॉक
- फ्लैश कार्ड / शब्द कार्ड

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7056687037

4. प्रस्तावना (Introduction – 5 मिनट)

* प्रस्तावना प्रश्न

शिक्षक बच्चों से प्रश्न पूछेगा –

1. दिन के बाद क्या आता हैं ?
2. बड़ा का उल्टा क्या होता हैं ?
3. अगर कोई खुश हैं, तो उसका उल्टा क्या होगा ?
4. गरम के विपरीत क्या होता हैं ?

➡ बच्चों के उत्तर बोर्ड पर लिखे जाएँगे –

रात, छोटा, दुखी, ठंडा

फिर शिक्षक पूछेगा –

- ये शब्द पहले शब्दों से कैंसे हैं ? (उल्टा अर्थ)

➡ यहीं से पाठ की शुरुआत होगी।

5. प्रस्तुतीकरण (Teaching-Learning Process – 15 मिनट)

(क) विलोम शब्द की परिभाषा

जिस शब्द का अर्थ किसी दूसरे शब्द के उल्टा हो,
उसे विलोम शब्द कहते हैं।

बोर्ड पर परिभाषा लिखी जाएगी।

(ख) सामान्य विलोम शब्द (कक्षा 3 स्तर अनुसार)

शब्द	विलोम	चित्र (शब्द)	चित्र (विलोम)
दिन	रात	दिन	रात
बड़ा	छोटा	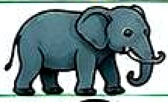 बड़ा	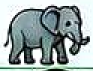 छोटा
अच्छा	बुरा	अच्छा	बुरा
गरम	ठंडा	गरम	ठंडा
पास	दूर	पास	दूर
ऊपर	नीचे	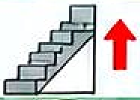 ऊपर	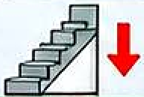 नीचे
खुश	दुखी	खुश	दुखी

➡ हर जोड़ी को चित्रों से समझाया जाएगा।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

6. शिक्षण विधियाँ

- प्रश्न – उत्तर विधि
- चित्र आधारित शिक्षण
- गतिविधि आधारित शिक्षण
- खेल विधि

7. अभ्यास एवं गतिविधियाँ (Activities – 10 मिनट)

गतिविधि 1 : जोड़ी बनाओ

शिक्षक बोले –

- दिन → ?
- ऊपर → ?
- अच्छा → ?

बच्चे उत्तर बोलेंगे।

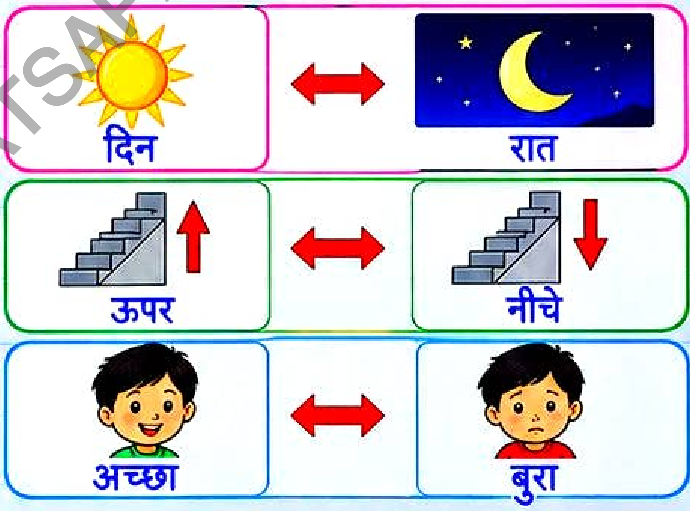

गतिविधि 2 : सही शब्द चुनो

रिक्त स्थान भरो –

1. गरम का विलोम ________ हैं।
2. खुश का विलोम ________ हैं।

गतिविधि 3 : अभिनय खेल

- एक बच्चा "खुश" का अभिनय करेगा।
- दूसरा बच्चा बताएगा उनका विलोम शब्द।

KEN DIGITALSEVA WHATSAPP

8. मूल्यांकन (Assessment - 5 मिनट)

शिक्षक मौखिक प्रश्न पूछेगा -

1. विलोम शब्द किसे कहते हैं ?
2. दिन का विलोम क्या हैं ?
3. बड़ा का विलोम बताओ।

9. पुनरावृत्ति (Recapitulation)

- आज हमने कौन-सा पाठ पढ़ा ?
- विलोम शब्द का मतलब क्या हैं ?
- दो विलोम शब्द बोलो।

10. गृहकार्य (Home Work)

1. पाँच विलोम शब्द लिखो।
2. नीचे दिए शब्दों के विलोम लिखो -

अच्छा , पास , ऊपर , गरम

11. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- विद्यार्थी विलोम शब्द पहचान सकेंगे।
- दैनिक जीवन में सही विलोम शब्दों का प्रयोग करेंगे।
- भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 03

विषय (Subject)	: Language-I (Hindi)	अवधि (Duration)	: 1 पीरियड (40-45 मिनट)
कक्षा (Class)	: Class 1	विद्यालय स्तर	: प्राथमिक (Foundational Stage)
पाठ संख्या (Lesson)	: Lesson – 3	कोर्स (Course)	: NIOS Bridge Course
पाठ का नाम (Title)	: **स्वर – उ, ऊ**		

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पत्तियाँ (Learning Outcomes)

पाठ के अंत में विद्यार्थी :

1. स्वर उ और ऊ को पहचान सकेंगे।
2. उ और ऊ का सही उच्चारण कर सकेंगे।
3. चित्रों के माध्यम से शब्दों को स्वरों से जोड़ सकेंगे।
4. उ और ऊ वाले सरल शब्द बोल व लिख सकेंगे।
5. कक्षा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को पहले से स्वर अ, आ, इ, ई का ज्ञान है तथा वे सरल शब्दों से परिचित हैं।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials – TLM)

- स्वर चार्ट (उ, ऊ)
- चित्र चार्ट (उल्लू, ऊँट)
- फ्लैश कार्ड
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- कॉपी, पेंसिल

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

5 प्रस्तावना (Introduction – Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी:

- "बच्चो, क्या तुमने उल्लू देखा है ?"
- "रेगिस्तान में कौन-सा जानवर चलता है ?"

बच्चों के उत्तर सुनकर शिक्षक बताएगा/बताएगी:

➡ "आज हम दो नए स्वर उ और ऊ सीखेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching–Learning Process)

◆ चरण 1 : प्रस्तुतीकरण (Presentation)

- शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर उ लिखेगा और उच्चारण करवाएगा।
- फिर ऊ लिखकर बच्चों से स्पष्ट उच्चारण करवाएगा।

◆ चरण 2 : व्याख्या (Explanation)

- चित्र दिखाकर समझाया जाएगा:
  - उ – उल्लू
  - ऊ – ऊँट
- बच्चों से शब्द दोहराने को कहा जाएगा।

◆ चरण 3 : उदाहरण (Examples)

- उ – उल्लू, उल्टा
- ऊ – ऊँट, ऊन

◆ चरण 4 : अभ्यास (Practice)

- बच्चे हवा में उँगली से उ, ऊ बनाएँगे।
- स्लेट/काँपी में लिखने का अभ्यास करेंगे।
- कुछ बच्चों को ब्लैकबोर्ड पर लिखने का अवसर दिया जाएगा।

KENDIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- सामूहिक उच्चारण
- चित्र पहचान
- लिखने का अभ्यास
- प्रश्न-उत्तर

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

स्वर

उ – उल्लू

ऊ – ऊँट

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न:

1. उल्लू किस स्वर से शुरू होता है?
2. ऊँट में कौन-सा स्वर है?
3. उ और ऊ में क्या अंतर है?

लिखित:

- कॉपी में उ, ऊ लिखना

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कॉपी में उ, ऊ पाँच-पाँच बार लिखें।
- घर में उ और ऊ से शुरू होने वाँले शब्द खोजें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक बच्चों से आज सीखे गए स्वर और शब्द दोहरवाएगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

बच्चों ने स्वर पहचान में रूचि दिखाई। चित्रों और दोहराव से उच्चारण में सुधार हुआ। आगे और खेल आधारित गतिविधियाँ जोड़ने की आवश्यकता है।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055367037

पाठ योजना 04

विषय (Subject)	: Language-I (Hindi)	अवधि (Duration)	: 1 पीरियड (40–45 मिनट)
कक्षा (Class)	: Class 1	विद्यालय स्तर	: प्राथमिक (Foundational Stage)
पाठ संख्या (Lesson)	: Lesson – 4	कोर्स (Course)	: NIOS Bridge Course
पाठ का नाम (Title)	: **स्वर – ए, ऐ**		

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

स्वर **ए** और **ऐ** बच्चों को ध्वनि की सूक्ष्म भिन्नता समझाने में सहायक होते हैं। इससे उच्चारण, शब्द पहचान और पढ़ने की प्रारंभिक क्षमता मजबूत होती है। यह पाठ बच्चों में भाषा के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ाता है।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पत्तियाँ (Learning Outcomes)

पाठ के अंत में विद्यार्थी:

1. स्वर **ए** और **ऐ** को पहचान सकेंगे।
2. **ए, ऐ** का सही उच्चारण कर सकेंगे।
3. चित्रों के माध्यम से शब्दों को स्वरों से जोड़ सकेंगे।
4. **ए** और **ऐ** वाले सरल शब्द बोल व लिख सकेंगे।
5. कक्षा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को पहले से स्वर **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ** का ज्ञान है और वे चित्र देखकर शब्द पहचान सकते हैं।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials – TLM)

- स्वर चार्ट (ए, ऐ)
- चित्र चार्ट (एक, ऐनक)
- फ्लैश कार्ड
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- कॉपी, पेंसिल

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7056567037

5 प्रस्तावना (Introduction – Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी:

- "बच्चो, हम कितने हैं? – **एक**"
- "दादी/नाना क्या पहनते हैं? – **ऐनक**"

बच्चों के उत्तर सुनकर शिक्षक बताएगा/बताएगी:

➡ "आज हम दो नए स्वर **ए और ऐ** सीखेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching–Learning Process)

चरण 1 : प्रस्तुतीकरण (Presentation)

- शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर **ए** लिखेगा और सही उच्चारण करवाएगा।
- फिर **ऐ** लिखकर बच्चों से सामूहिक उच्चारण करवाया जाएगा।

चरण 2 : व्याख्या (Explanation)

- चित्र दिखाकर समझाया जाएगा:
  - **ए** – एक
  - **ऐ** – ऐनक
- बच्चों से शब्द दोहराने को कहा जाएगा।

चरण 3 : उदाहरण (Examples)

- **ए** – एक, केला
- **ऐ** – ऐनक, मैना

चरण 4 : अभ्यास (Practice)

- बच्चे हवा में उँगली से **ए, ऐ** बनाएँगे।
- स्लेट/कॉपी में लिखने का अभ्यास करेंगे।
- 2–3 बच्चों को ब्लैकबोर्ड पर लिखने का अवसर दिया जाएगा।

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- सामूहिक उच्चारण
- चित्र पहचान
- शब्द बोलना
- लिखने का अभ्यास

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

स्वर

ए – एक

ऐ – ऐनक

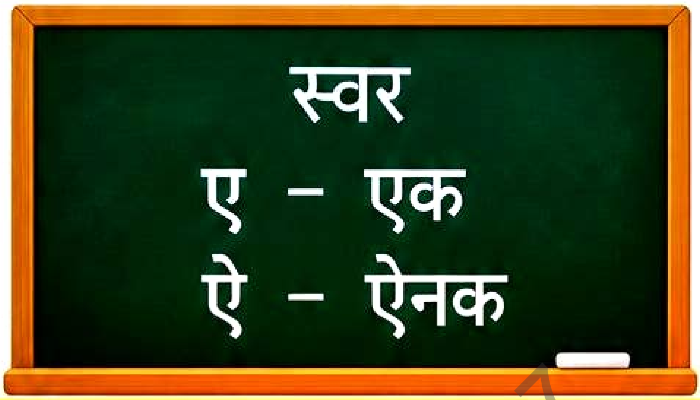

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न:

1. यह कौन-सा स्वर है? (ए / ऐ)
2. एक किस स्वर से शुरू होता है?
3. ऐनक में कौन-सा स्वर है?

लिखित:

- कॉपी में ए, ऐ लिखना

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कॉपी में ए, ऐ पाँच-पाँच बार लिखें।
- घर में ए और ऐ से शुरू होने वाले शब्द खोजें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक पूरे पाठ को दोहराएगा और बच्चों से स्वर व शब्द बुलवाएगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

बच्चों ने स्वर पहचान में रूचि दिखाई। ए और ऐ के उच्चारण में स्पष्टता आई। भविष्य में जोड़ी-गतिविधियाँ (pair work) जोड़ने से सहभागिता और बढ़ेगी।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 05

विषय (Subject)	: Language-I (Hindi)	अवधि (Duration)	: 1 पीरियड (40–45 मिनट)
कक्षा (Class)	: Class 1	विद्यालय स्तर	: प्राथमिक (Preparatory Stage)
पाठ संख्या (Lesson)	: Lesson – 5	कोर्स (Course)	: NIOS Bridge Course
पाठ का नाम (Title)	: **दो अक्षर के शब्द**	माध्यम (Medium)	: हिंदी

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

कक्षा 2 में बच्चों को **दो अक्षर के शब्द** सिखाना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इससे उनकी पठन क्षमता, शब्द पहचान, और वाक्य बनाने की योग्यता विकसित होती है। यह पाठ आगे चलकर तीन और चार अक्षर के शब्द सीखने की नींव रखता है।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पत्तियाँ (Learning Outcomes)

इस पाठ के अंत में विद्यार्थी:

1. दो अक्षर के शब्द पहचान सकेंगे।
2. दो अक्षर के शब्द सही ढंग से पढ़ सकेंगे।
3. ऐसे शब्दों का सही उच्चारण कर सकेंगे।
4. दो अक्षर के शब्द लिख सकेंगे।
5. शब्दों का प्रयोग सरल वाक्यों में कर सकेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को स्वर, व्यंजन और **एक अक्षर के शब्दों** का प्रारंभिक ज्ञान है।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials – TLM)

- शब्द चार्ट (दो अक्षर के शब्द)
- चित्र कार्ड (फल, वस्तुएँ, जानवर)
- फ्लैश कार्ड
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- कॉपी, पेंसिल

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

5 प्रस्तावना (Introduction – Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी:

- "बच्चो, तुम **घर** में रहते हो या **वन** में?"
- "यह क्या है?" (चित्र दिखाकर – **फल**)

इसके बाद शिक्षक बताएगा/बताएगी:

➡ "आज हम **दो अक्षर के शब्द** सीखेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching–Learning Process)

चरण 1 : प्रस्तुतीकरण (Presentation)

- शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर लिखेगा:
  घर, वन, फल, जल
- बच्चों से एक-एक शब्द पढ़वाएगा।

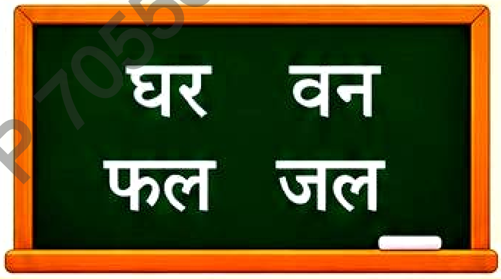

चरण 2 : व्याख्या (Explanation)

- शिक्षक समझाएगा कि:
  जिन शब्दों में **दो अक्षर** होते हैं, उन्हें **दो अक्षर के शब्द** कहते हैं।
- उदाहरण देकर स्पष्ट करेगा।

चरण 3 : उदाहरण (Examples)

- **घर वन फल जल मन धन**

चरण 4 : अभ्यास (Practice)

- बच्चे शब्दों को दो-दो बार बोलेंगे।
- कॉपी में शब्द लिखेंगे।
- 2–3 बच्चे बोर्ड पर शब्द लिखेंगे।

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- शब्द पहचान
- सामूहिक पठन
- चित्र से शब्द मिलान
- लिखित अभ्यास

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

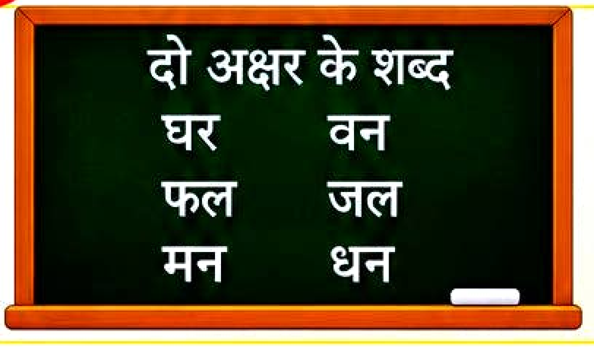

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न:

1. घर में कितने अक्षर हैं?
2. फल क्या है?
3. दो अक्षर का एक शब्द बताओ।

लिखित:

- दो अक्षर के तीन शब्द लिखो।

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कॉँपी में पाँच दो अक्षर के शब्द लिखें।
- किताब से दो नए शब्द खोजें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक बच्चों से दो अक्षर के शब्द बुलवाएगा और पाठ दोहराएगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

बच्चों ने शब्द पहचान में रुचि दिखाई। अभ्यास से पठन और लेखन में सुधार हुआ। आगे वाक्य निर्माण की गतिविधि कराई जाएगी।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 06

विषय : Language-I (Hindi)	**अवधि** : 1 पीरियड (40-45 मिनट)
कक्षा : Class 1	**विद्यालय स्तर** : प्राथमिक (Preparatory Stage)
पाठ का नाम : तीन अक्षर के शब्द	**कोर्स** : NIOS Bridge Course
	माध्यम : हिंदी

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

दो अक्षर के शब्द सीखने के बाद तीन अक्षर के शब्द बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमता को आगे बढ़ाते हैं। इससे बच्चों का शब्द भंडार, ध्वनि-अक्षर संबंध और वाक्य समझ विकसित होती है। यह पाठ आगे वाक्य निर्माण के लिए आधार तैयार करता है।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पत्तियाँ (Learning Outcomes)

पाठ के अंत में विद्यार्थी:

1. तीन अक्षर के शब्द पहचान सकेंगे।
2. तीन अक्षर के शब्द सही ढंग से पढ़ सकेंगे।
3. शब्दों का सही उच्चारण कर सकेंगे।
4. तीन अक्षर के शब्द लिख सकेंगे।
5. शब्दों का प्रयोग सरल वाक्यों में कर सकेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को स्वर, व्यंजन तथा दो अक्षर के शब्दों का ज्ञान है।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials - TLM)

- शब्द चार्ट (तीन अक्षर के शब्द)
- चित्र कार्ड (जानवर, वस्तुएँ, फल)
- फ्लैश कार्ड
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- कॉपी, पेंसिल

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7056607087

5 प्रस्तावना (Introduction – Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी:

- "बच्चो, यह कौन-सा जानवर है?" (चित्र दिखाकर - कमल / मगर / कलम)
- "आप क्या लिखते हो?" (कलम)

फिर शिक्षक बताएगा/बताएगी:

➡ "आज हम तीन अक्षर के शब्द सीखेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching-Learning Process)

चरण 1 : प्रस्तुतीकरण (Presentation)

- शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर लिखेगा:

  कमल, कलम, मगर, नगर
- बच्चों से एक-एक शब्द पढ़वाएगा।

चरण 2 : व्याख्या (Explanation)

- शिक्षक समझाएगा कि:

  जिन शब्दों में तीन अक्षर होते हैं, उन्हें तीन अक्षर के शब्द कहते हैं।
- अक्षरों को गिनकर दिखाया जाएगा:

  क-म-ल = कमल

चरण 3 : उदाहरण (Examples)

- कमल कलम मगर नगर अगर बचन

चरण 4 : अभ्यास (Practice)

- बच्चे शब्दों को दो-दो बार बोलेंगे।
- कॉपी में तीन अक्षर के शब्द लिखेंगे।
- 2-3 बच्चे ब्लैकबोर्ड पर शब्द लिखेंगे।

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- शब्द पहचान
- सामूहिक पठन
- अक्षर गिनना
- लिखित अभ्यास

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

तीन अक्षर के शब्द

कमल कलम

मगर नगर

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न:

1. कमल में कितने अक्षर हैं?
2. तीन अक्षर का एक शब्द बताओ।
3. कलम का उपयोग किसलिए होता है?

लिखित:

- तीन अक्षर के दो शब्द लिखो।

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कॉपी में पाँच तीन अक्षर के शब्द लिखें।
- किताब से दो नए शब्द खोजें।

समेकन (Recapitulation)

शिक्षक बच्चों से आज सीखे गए शब्द बुलवाएगा और पूरे पाठ को दोहराएगा।

शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

बच्चों ने उत्साह के साथ शब्द पढ़े। अक्षर गिनने से शब्द समझने में आसानी हुई। आगे वाक्य निर्माण की गतिविधि कराई जाएगी।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 07

विषय	: Language-I (Hindi)	अवधि	: 1 पीरियड (40-45 मिनट)
कक्षा	: Class 2	विद्यालय स्तर	: प्राथमिक (Preparatory Stage)
पाठ संख्या	: Lesson – 7	कोर्स	: NIOS Bridge Course
पाठ का नाम	: चार अक्षर के शब्द	माध्यम	: हिंदी

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

तीन अक्षर के शब्दों के बाद चार अक्षर के शब्द बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमता को और मजबूत करते हैं। इससे बच्चों में शब्द समझ, ध्यान, और वाक्य पढ़ने की तैयारी विकसित होती है। यह पाठ आगे चलकर अनुच्छेद पढ़ने की नींव रखता है।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पत्तियाँ (Learning Outcomes)

पाठ के अंत में विद्यार्थी :

1. चार अक्षर के शब्द पहचान सकेंगे।
2. चार अक्षर के शब्द सही ढंग से पढ़ सकेंगे।
3. शब्दों का शुद्ध उच्चारण कर सकेंगे।
4. चार अक्षर के शब्द लिख सकेंगे।
5. शब्दों का प्रयोग सरल वाक्यों में कर सकेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को स्वर, व्यंजन तथा दो और तीन अक्षर के शब्दों का ज्ञान है।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials – TLM)

- शब्द चार्ट (चार अक्षर के शब्द)
- चित्र कार्ड (वस्तुएँ, स्थान, जानवर)
- फ्लैश कार्ड
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- कॉपी, पेंसिल

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7056067037

5 प्रस्तावना (Introduction - Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी :

- "बच्चो, हम कहाँ पढ़ते हैं?" (विद्यालय)
- "घर के बाहर क्या होता हैं?" (आँगन)

इसके बाद शिक्षक बताएगा/बताएगी :

➡ "आज हम चार अक्षर के शब्द सीखेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching-Learning Process)

चरण 1 : प्रस्तुतीकरण (Presentation)

- शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर शब्द लिखेंगा :

  कमरा बकरी बच्चा सड़क

- और बच्चों से एक-एक शब्द पढ़वाएगा।

चरण 2 : व्याख्या (Explanation)

- शिक्षक समझाएगा :

  जिन शब्दों में चार अक्षर होते हैं, उन्हें चार अक्षर के शब्द कहते हैं।

- उदाहरण : क-म-र-ा = कमरा

चरण 3 : उदाहरण (Examples)

- कमरा बकरी बच्चा सड़क केला किताब

चरण 4 : अभ्यास (Practice)

- बच्चे शब्दों को दो-दो बार बोलेंगे।
- कॉपी में चार अक्षर के शब्द लिखेंगे।
- 2-3 बच्चे ब्लैकबोर्ड पर शब्द लिखेंगे।

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- शब्द पहचान
- सामूहिक पठन
- अक्षर गिनना
- लिखित अभ्यास

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

चार अक्षर के शब्द

कमरा	बकरी
बच्चा	सड़क

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न :

1. कमरा में कितने अक्षर हैं?
2. चार अक्षर का एक शब्द बताओ।
3. बकरी क्या हैं?

लिखित:

- चार अक्षर के दो शब्द लिखो।

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कॉँपी में पाँच चार अक्षर के शब्द लिखें।
- किताब से दो नए शब्द खोजें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक बच्चों से आज सीखे गए शब्द बुलवाएगा और पूरे पाठ को दोहराएगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

बच्चों ने ध्यानपूर्वक शब्द पढ़े। अक्षर गिनने से शब्द समझना आसान हुआ। आगे वाक्य पढ़ने-लिखने की गतिविधियों कराई जाएँगी।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 08

विषय	: Language-I (Hindi)	अवधि	: 1 पीरियड (40-45 मिनट)
कक्षा	: Class 2	विद्यालय स्तर	: प्राथमिक (Preparatory Stage)
पाठ संख्या	: Lesson - 8	कोर्स	: NIOS Bridge Course
पाठ का नाम	: सरल वाक्य	माध्यम	: हिंदी

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

शब्दों के ज्ञान के बाद बच्चों को सरल वाक्य सिखाना आवश्यक हैं। इससे वे अपने विचारों को लिखित व मौखिक रूप में व्यक्त कर पाते हैं। यह पाठ पठन, लेखन और अभिव्यक्ति कौशल को मजबूत करता हैं।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पतियाँ (Learning Outcomes)

पाठ के अंत में विद्यार्थी :

1. सरल वाक्य पहचान सकेंगे।
2. दिए गए शब्दों से सरल वाक्य बना सकेंगे।
3. सरल वाक्य पढ़ व लिख सकेंगे।
4. वाक्य का सही उच्चारण कर सकेंगे।
5. दैंनिक जीवन से जुड़े वाक्यों का प्रयोग कर सकेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को दो, तीन और चार अक्षर के शब्दों का ज्ञान हैं और वे शब्द पढ़-लिख सकते हैं।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials - TLM)

- वाक्य चार्ट
- चित्र कार्ड (घर, स्कूल, बच्चा, फल)
- फ्लैश कार्ड (शब्द)
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक
- कॉपी, पेंसिल

KEH DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055661037

5 प्रस्तावना (Introduction - Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी :

- बच्चों, तुम कहाँ पढ़ते हो?
- तुम क्या खाते हो?

उत्तर सुनने के बाद शिक्षक बताएगा/बताएगी :

➡ "आज हम **सरल वाक्य** बनाना सीखेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching-Learning Process)

चरण 1 : प्रस्तुतीकरण (Presentation)

- शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर वाक्य लिखेंगा :

1. मैं स्कूल जाता हूँ।
2. राम फल खाता हैं।

बच्चों से सामूहिक पठन करवाएगा।

चरण 2 : व्याख्या (Explanation)

- जब कई शब्द मिलकर पूरी बात बताते हैं, तो उसे **वाक्य** कहते हैं।
- वाक्य के अंत में **पूर्ण विराम** (।) लगता हैं।

चरण 3 : उदाहरण (Examples)

- 1. मैं पानी पीता हूँ।
- 2. सीता किताब पढ़ती हैं।
- 3. बच्चा खेलता हैं।
- 4. हम घर जाते हैं।

चरण 4 : अभ्यास (Practice)

- बच्चे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाएँगे।
- कॉपी में दो सरल वाक्य लिखेंगे।
- 2-3 बच्चे बोर्ड पर वाक्य लिखेंगे।

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- वाक्य पठन
- शब्दों से वाक्य बनाना
- चित्र देखकर वाक्य बोलना
- लिखित अभ्यास

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

सरल वाक्य

1. मैं स्कूल जाता हूँ।
2. राम फल खाता हैं।

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न:

1. वाक्य क्या होता हैं ?
2. एक सरल वाक्य बोलो ।
3. बाक्य के अंत में क्या लगता हैं?

लिखित:

- एक सरल वाक्य लिखो ।

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कॉपी में दो सरल वाक्य लिखें।
- किताब से एक वाक्य पढ़कर लिखें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक बच्चों से वाक्य बुलवाएगा और पूरे पाठ को दोहराएगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

बच्चों ने वाक्य बनाना सीख लिया। चित्र आधारित गतिविधियों से उनकी रुचि बढ़ी। आगे वाक्य विस्तार और प्रश्नवाचक वाक्य सिखाए जाएँगे।

KENDIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 09

विषय	: Language-I (Hindi)	पुस्तक	: NCERT-हिंदी (रिमझिम/समकक्ष)
कक्षा	: Class 3	अवधि	: 1 पीरियड (40-45 मिनट)
पाठ का प्रकार	: कविता	कोर्स	: NIOS Bridge Course
कविता का नाम	: चाँद वाली अम्मा	माध्यम	: हिंदी

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

कविता बच्चों की कल्पनाशक्ति, भावनात्मक विकास और भाषा सौन्दर्य को विकसित करती हैं। "चाँद वाली अम्मा" कविता के माध्यम से बच्चे प्रकृति, मातृत्व और लोककल्पना से जुड़ते हैं तथा सही लय, ताल और भाव के साथ पाठ करना सीखते हैं।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पतियाँ (Learning Outcomes)

कविता के अध्ययन के बाद विद्यार्थी :

1. कविता को सही लय और भाव के साथ पढ़ सकेंगे।
2. कविता का भावार्थ समझ सकेंगे।
3. नए शब्दों का अर्थ जान सकेंगे।
4. कविता से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
5. अपनी कल्पना से जुड़े विचार व्यक्त कर सकेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को तुकांत शब्दों, सरल कविताओं तथा चाँद से जुड़ी लोककथाओं का सामान्य ज्ञान हैं।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials - TLM)

- पाठ्यपुस्तक (NCERT हिंदी)
- कविता चार्ट
- चाँद का चित्र
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7056 7037

5 प्रस्तावना (Introduction - Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी :

- बच्चों, तुमने चाँद देखा हैं ?
- चाँद हमें कैसा लगता हैं ?

बच्चों के उत्तर सुनने के बाद शिक्षक बताएगा/बताएगी :

➡ "आज हम एक सुन्दर कविता **'चाँद वाली अम्मा'** पढ़ेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching-Learning Process)

चरण 1 : कविता का सस्वर पाठ (Recitation)

- शिक्षक कविता को लय और भाव के साथ पढ़ेगा/पढ़ेगी।
- बच्चे ध्यान से सुनेंगे।

चरण 2 : सामूहिक पाठ (Group Reading)

- शिक्षक पंक्ति-पंक्ति पढ़ेगा/पढ़ेगी।
- बच्चे समूह में दोहराऐंगे।

चरण 3 : भावार्थ (Explanation)

- शिक्षक सरल भाषा में कविता का अर्थ समझाएगा/समझाएगी :
  - कविता में चाँद को माँ जैसा स्नेही बताया गया हैं।
  - चाँद बच्चों की कल्पना में स्नेह देने वाली अम्मा हैं।

चरण 4 : शब्दार्थ (Word Meaning)

- अम्मा - माँ
- झिलमिल - चमकना
- आँगन - घर के सामने का स्थान

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- सामूहिक कविता पाठ
- भाव बताना
- नए शब्द बोलना
- चित्र देखकर अपनी कल्पना बताना

KENDIGITAL_SEVAWHATSAPP 7055567037

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

कविता – चाँद वाली अम्मा

अम्मा – माँ
झिलमिल – चमकना

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न :

1. कविता का नाम क्या हैं ?
2. कविता में चाँद को क्या कहा गया हैं ?
3. तुम्हें चाँद क्यों अच्छा लगता हैं ?

लिखित :

- कविता से एक पंक्ति लिखो।

10 गृहकार्य (Home Assignment)

- कविता याद करें।
- चाँद का चित्र बनाकर दो पंक्तियाँ लिखें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक कविता का सार दोहराएगा और बच्चों से मुख्य भाव पूछेगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी / आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

कविता ने बच्चों की रुचि और कल्पनाशक्ति को बढ़ाया। भावपूर्ण पाठ से बच्चों में आत्मविश्वास दिखा। आगे अभिनय और गीतात्मक गतिविधियाँ जोड़ना उपयोगी रहेगा।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

पाठ योजना 10

विषय : Language-I (Hindi)	पुस्तक : NCERT - हिंदी (रिमझिम, कक्षा 5)
कक्षा : Class 5	अवधि : 1 पीरियड (40-45 मिनट)
पाठ कां प्रकार : कहानी	कोर्स : NIOS Bridge Course
कहानी का नाम : जहाँ चाह वहाँ राह	माध्यम : हिंदी

1 पाठ का औचित्य (Need of the Lesson)

यह कहानी बच्चों में परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति का महत्व समझाती हैं। कहानी के माध्यम से बच्चे यह सीखते हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी लगन और मेहनत से सफलता प्राप्त की जा सकती हैं। यह पाठ नैतिक मूल्यों, पठन-समझ और विचार अभिव्यक्ति को विकसित करता हैं।

2 उद्देश्य / अधिगम निष्पतियाँ (Learning Outcomes)

पाठ के अंत में विद्यार्थी :

1. कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़ व समझ सकेंगे।
2. कहानी के मुख्य विचार को स्पष्ट रूप से बता सकेंगे।
3. नए शब्दों का अर्थ समझकर प्रयोंग कर सकेंगे।
4. कहानी से मिलने वाली शिक्षा को अपने जीवन से जोड़ सकेंगे।
5. प्रश्नों के उत्तर मौखिक व लिखित रूप में दे सकेंगे।

3 पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)

विद्यार्थियों को सरल कहानियाँ पढ़ने का अनुभव हैं तथा वे परिश्रम और सफलता जैसे विचारों से परिचित हैं।

4 शिक्षण-अधिगम सामग्री (Teaching Learning Materials - TLM)

- NCERT हिंदी पाद्यपुस्तक (कक्षा 5)
- कहानी चार्ट
- ब्लैकबोर्ड एवं चाँक
- शब्द-अर्थ कार्ड

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037

5 प्रस्तावना (Introduction - Motivation)

शिक्षक बच्चों से प्रश्न करेगा/करेगी :

- क्या मेहनत करने से सफलता मिलती हैं ?
- क्या आपने कभी कोई कठिन काम किया हैं ?

उत्तर सुनने के बाद शिक्षक बताएगा/बताएगी :

➡ "आज हम एक प्रेरक कहानी 'जहाँ चाह वहाँ राह" पढ़ेंगे।"

6 शिक्षण प्रक्रिया (Teaching-Learning Process)

चरण 1 : मूक वाचन (Silent Reading)

- शिक्षक बच्चों से कहानी को धीरे-धीरे चुपचाप पढ़ने को कहेगा/कहेगी।

चरण 2 : सस्वर पठन (Loud Reading)

- शिक्षक कहानी का एक भाग पढ़ेगा/पढ़ेगी।
- फिर बच्चों से क्रमशः पढ़वाया जाएगा।

चरण 3 : व्याख्या / भावार्थ (Explanation)

- शिक्षक सरल भाषा में कहानी समझाएगा/समझाएगी :
  - कहानी में एक व्यक्ति कठिन रास्ते को आसान बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता हैं।
  - उसकी इच्छाशक्ति और मेहनत से अंत में रास्ता बन जाता हैं।

चरण 4 : शब्दार्थ (Word Meaning)

- चाह – इच्छा
- राह – रास्ता
- परिश्रम – मेहनत
- बाधा – रुकावट

7 छात्र गतिविधियाँ (Student Activities)

- कहानी पठन
- प्रश्नों के उत्तर देना
- कहानी की शिक्षा बताना
- अपने जीवन से उदाहरण देना।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7056670 37

8 ब्लैकबोर्ड कार्य (Blackboard Work)

कहानी – जहाँ चाह वहाँ राह

शिक्षा – मेहनत से सफलता मिलती है।

9 मूल्यांकन (Evaluation)

मौखिक प्रश्न :

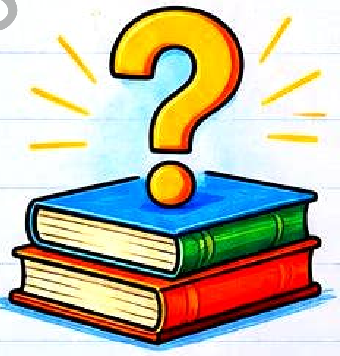

1. कहानी का नाम क्या हैं ?
2. कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती हैं ?
3. कठिनाई आने पर हमें क्या करना चाहिए ?

लिखित :

- कहानी की शिक्षा लिखो।

10 गृहकार्य (Home Assignment)

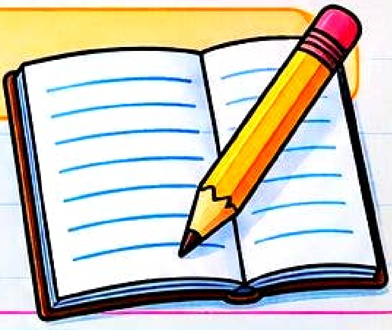

- कहानी को दोबारा पढ़ें।
- "मेहनत का महत्व" पर 5 पंक्तियाँ लिखें।

11 समेकन (Recapitulation)

शिक्षक कहानी का सार दोहराएगा और बच्चों से मुख्य बिंदु पूछेगा।

12 शिक्षक की टिप्पणी/आत्मचिंतन (Teacher's Reflection)

कहानी ने बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए, जिससे कक्षा में सक्रिय सहभागिता दिखी। भविष्य में समूह चर्चा और भूमिका-अभिनय जोड़ा जा सकता हैं।

KEN DIGITAL SEVA WHATSAPP 7055667037